

## देवता भी स्वार्थी थे दौड़े अमृत के लिए

देवता भी स्वार्थी थे दौड़े अमृत के लिए,  
हम सदा उनको भजेंगे जो जहर हंस के लिए,  
हम नमन उनको करेंगे जो जहर हंस के लिए,

जो रहे अमृत के पीछे सोचो वो क्या देव है,  
जगत के खातिर विष पिया जो वो बने महादेव है,  
हम नमन उनको करेंगे,  
जो सदा सबको दिए हम सदा उनको भजेंगे,  
जो जहर हंस के लिए...

औरो के खातिर जगत में सब नहीं जी सकते है,  
जो है अविनाशी अजन्मा जहर वही पी सकते है,  
हम नमन उनको करेंगे  
जो मरे ना ना जिए, हम सदा उनको भजेंगे,  
जो जहर हंस के लिए.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19271/title/devta-bhi-swarath-the-dode-amrit-ke-liye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |